

ASHA ARCHIVES

2381

SHRUTI

ॐ नमो नारायणाय ॥ अथ नवमिंदुप्रबालीयमानविधिर्निश्चयते ॥

आयतनं ४ परमाना अयन्दरे अतिदेवां ३ आयकृते ॐ अतितामसुनाप
थर्वाणे अविश्रुय देव देवाय देवय ४ ॐ मनश्चर ४ मन्त्रं देव नं कनाय यामर्
ते नं बाकुनो घषी ७ ॥ अति क म ठेन क म्मा अमुि तो द के ना २ मानं मं प्रो क्त
॥ ॐ अथ का तु र थ का तु रि धू का तु र म् क र्के नु ति के र्ही प्र न्द्रा मित्र जया ठ धने
न ७ ॥ ॐ अदं रि क् वि ठ क मे ते धा नि द से न दं म म् र म म् पां कृ ने ॥ अनीन पदा रि
ठ क मे रि धू र्को प्मा अदा ७ ४ अतो धर्मानि सायन् विष्णो ४ कर्मानि पश्यत यत्नेव

तानि पश्यन्ते ॥ अथ म्मा यत् ४ मथा ॥ अनादि क तेन न दा न्ना न्ना न च ना बा
यन् म्मा बन् जनं प्र रि क्थ ॥ ॐ अथ म र्थ न म्मा द म र्थ न स थि र व र्धू प्त्तु न्द्र ४ अ
र वृ तो देवता अथ मे धार वृ थे रि नि यो न् अति स क्था दि र्क म्मा ४ अने नि म
नु द्वि व र्ध म र्थ न्द्र मे ७ ॥ तत ४ ॥ ॐ अत थ म र्थ थ्वा डी क्ता त प म्मा थ जा यत ॥ ततो
बा य जा यत ॥ तत ४ म म्मा द्रो ह र्गु र ४ म म्मा द्वा द र्गु रा द रि म म्मा २ म र्थो अजा यत ॥ अतो
बा थानि रि द ध द्वि क्थ म्मा मि ष तो र वी म्मा ठ न्द्र म्मा थ ता य थ पृ र्ध म क न्द्र यत
दि र्थ वृ थि र्ही ठा नु री क्थ म्मा थ म्मा ॥ ॐ नमो नारायणाय ३ अति जनेन नि

[illegible][illegible]

কায়া ম' যোজ্য হি হি ৪মত্ব দ্বা সত মিনাদিজনে ৩ তত ৪ঊঁ ব্রহ্মচরমি
 যাঁ বিষ্ণুতোম্ব ৪ই যজ্ঞমূর যজ্ঞো ব্রহ্মপো জ্যোতি ব্রহ্মোমূর্তী ৥ জ্ঞান ব্রহ্মাচরমো
 য ১ঊঁ ব্রহ্মব্রহ্ম ৪মারি জ্যোত প্রলকমি জ্যোতি ব্রহ্মপো ৥ তত ৩ঊঁ ব্রহ্মলজাত ব্রহ্মদেব
 ব্রহ্মজি কিতব ৪ ব্রহ্মো বিষ্ণু যমূর্তী ১ঊঁ চিত্র দেবানা ব্রহ্মদেব দরীকী ৪ ব্রহ্ম জি তম্ব ব্রহ্মলম্বা
 ৪ ব্রহ্ম জ্যোত ব্রহ্মাচারী ব্রহ্মব্রহ্ম ৪মারি জ্যোত প্রলকমি জ্যোতি ব্রহ্মপো ৥ তত ৩ঊঁ ব্রহ্মলজাত ব্রহ্মদেব
 ব্রহ্মজি কিতব ৪ ব্রহ্মো বিষ্ণু যমূর্তী ১ঊঁ চিত্র দেবানা ব্রহ্মদেব দরীকী ৪ ব্রহ্ম জি তম্ব ব্রহ্মলম্বা
 ৪ ব্রহ্ম জ্যোত ব্রহ্মাচারী ব্রহ্মব্রহ্ম ৪মারি জ্যোত প্রলকমি জ্যোতি ব্রহ্মপো ৥ তত ৩ঊঁ ব্রহ্মলজাত ব্রহ্মদেব
 ব্রহ্মজি কিতব ৪ ব্রহ্মো বিষ্ণু যমূর্তী ১ঊঁ চিত্র দেবানা ব্রহ্মদেব দরীকী ৪ ব্রহ্ম জি তম্ব ব্রহ্মলম্বা

[illegible]

ଜମେଦିର ସଦାହୁତ ॥ ସାତ ମୁଖା ଘେଉଁ ଡିଷୁର ମାୟ ମିଶା ଯା ମାମୀ ଲୋଭୁପେ
 ତରୁଣ ମମଦିଷ୍ଟା କୌଣେ ଯ ରାମନାଥ ॥ ସେତେ ବିନେପନେ କ୍ଷୁଦ୍ର ବଳକା ବିଷୟ ମିଶ୍ର
 ଆଦିନ ମଣ୍ଡନାନ୍ତୁଷା ବକ୍ତ ନୋକ ଗତ ଗ୍ରହ ॥ ଅକ୍ଷୟ ଧବାଦେବୀ ମହାମନ ଗତାନ୍ତ ॥ ମସି
 ବସୁକ୍ତି ବସେ ଯା ॥ କେତେ ରସାତର କ୍ଷିଣି ॥ ବଜ୍ରବଳୁ ମିଶା ଘେ ଦେବୁ ବୀ ଚୁଷ୍ଟ ବଳୁ ॥ ମାୟ ମାଦେବୀ
 ଗୁରୁବଳୁ ॥ ଜଳ ମୂଳ ହାସ୍ତ ଲୋମାହି କେନ ନିଆତ ମୟାହୁ ନିଆ ତେ ଯଥା ॥ ଗାୟତ୍ରୀ
 ଶୁକ୍ର ବା ବାଳା ମସିହା ବଜ୍ରାମମା କୁମାବୀ ରୂପ ଧାରିଣୀ ॥ ସର ହାମତ ମହାମଦନ ବଜ୍ରକ
 ମନହୁତା ଚତୁର୍ଥା ଚତୁର୍ଥା ହିମାଦିନୀ ॥ ସରସ ଠାକୁର ମଣ୍ଡନ ସର୍ବତ୍ର ଲୋଦିନ କୋ

[illegible]

हमा। धा। हमा। धा। ध॥ (नमः)

(नमः शिवाय वासुदेवाय)

(नमः शिवाय वासुदेवाय॥

(नमः शिवाय वासुदेवाय॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥

श्री नमो भगवते वासुदेवाय॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥ मेधाविमलकृष्ण ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥

आर्य समाज

ARJUNA ARCHIVES

231

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥

॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ मंत्रमाला ॥ अतिप्रबलनामः ॥ ॥ ॐ ह्रस्वपादयोः ॥ ॐ
 भुवः ॥ ज्ञानोः ॥ ॐ स्वः कर्त्ता ॥ ॐ रक्षन्ती ॥ ॐ जनः कृपये ॥ ॐ तनः कृतो ॥ ॐ मन्त्र
 मध्ये ॥ अतिशक्तिनामः ॥ ॐ तकारं पादाद्भ्यस्तथा ॥ ॐ श्मकारं गुणकथो ॥ ॐ रि
 कारं ज्ञेययोः ॥ ॐ उकारं जाना ॥ ॐ ईकारं ईश्वर ॥ ॐ एकारं गुरुदे ॥ ॐ लृकारं निर्दिष्ट
 ॥ ॐ नृकारं कर्त्ता ॥ ॐ ङकारं नातो ॥ ॐ छकारं ईश्वरे ॥ ॐ फकारं मुनयोः ॥ ॐ ब्रह्मा
 वीहृदि ॥ ॐ मकारं कर्त्ते ॥ ॐ श्रीकारं वाक्कुमुनयोः ॥ ॐ मकारं गुरुयोः ॥ ॐ हि कारं नामा

যবযোঃ ঐং শিকারী নেত্রযোঃ ঐং যোকর্ষি ভূমধ্যে ঐং যোকর্ষন নাটে ঐং
 মৃদে ঐং প্রকারী দক্ষিণ মধ্যে ঐং চাকরী পশ্চিম মধ্যে ঐং দকারী উত্তর মধ্যে ঐং যাকর্ষ
 দ্বি। ঐং জনতকর্ষ মঙ্গলী পর্ব জেতিগা ঘাতী নামঃ ॥ ১৩ তন্ত্র মোক্তর বর্ত্তীয়থা
 অজিরাজপেত ৷ ঐং মঃ শুভিষদ্ব ম রত্নহী ক্ষু মঙ্গলী তাবে দিষ দতি যি ই যোগম
 ত ৷ নৃষদ্ব মঙ্গত মছোম মঙ্গলা গোজা সতজামে দ্রিজা সতঁ হৃত ৷ ঐং নমোহি
 রম্ব রেব ফাল ভাস্তে বিষ্ণু তেজমে জগন্নাথি বিষ্ণু শুভ যে মন্তিতে কর্ম দায়িনে জতি

তিনজন পুষ্ক হতমুখ নিমুখ মৃতোন্নিত বাদ্য ৪ ক্রি. পে. দি. তি. ম. ক্রা ৭।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

যমতর্পণ ॥ ততক্ষি তৃতর্পণ ॥ অথ কাম্যতর্পণ ॥ মাৎস্রে প্রমাৎস্রে তন্মাৎস্রে শুক্লপানে

ତଥେ ବୃତ୍ତ ଶ୍ରବଣେ ମାତ୍ର ନାଦୀର୍ଣ୍ଣାମ୍ନିଷ୍ଠା ମିତ୍ରାୟ ହୃଦୟେ ॥ ଶାନ୍ତି ଶାନ୍ତି ଶାନ୍ତି ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ देवा सुवासुतां नमः ॥

यक बाक मा ४ ताजि बा रा गुह का ४ मि द्वा ४ रु द्वा ४ मु वर ४ च गा ४ ताजि ले ड बा हं नि न

যা বায় বাবা শুভকরঃ । চিত্তমেতে প্রযান্দ্র্য মদ্য তিত্তে নামুন্য চিনা ।

মমুষ্ণ যাতনামুচ য়মুিতাঃ ॥ তেষামাশ্রয়নায়ৈত দীযতে মনির্নময়া ॥ যেরান্বরা

স্বাধীয়ে ন্যুদন নিবান্ স্বাঃ তে হস্তমাখনায়ান্ত যক্ষ্মভি বাথতি ।

কয়ানজতিমহাশয়মদেবসমিচৌযবীতুন্দজন্মদেবতান্নাগ্নিস্তোমাদৌদ্বিতীয়পক্ষে

ਸਾਭਿਕ ਸ੍ਰ ਨਿਰੁਤਿ ਲਿਖੋ ॥੪॥ ਕਯਾਨ ਚਿਤ ਅੰਤਰ ਦੂਤ ਮਦਾ ਪ੍ਰਬ ॥ ਸਚਾ ਕਯਾਮਾਠਿ

या कृताकृष्णः मनोमदानाम् कृष्णाम् ४५ ८८ दाकृष्णाम् ४५ ८८

[illegible][illegible]

করা ৪ ৷ তত্বেতিমাত্র না যানু যক্সা ন্মতোভিরাথুতি ॥ স্বক্কে নিমেকন্দহাত ॥
যেতা ম্মা কঁ কুনেজাতা স্বক্কে বাগো বিগোমতা ৷ তেজরন্তমযা দত্তর ম্ভ নিষ্কাভি
ভেদকঁ ॥ ম্মান শাটী যপীতত্ত ॥ ঙ্গনমোরির মত্তে ব্ধ কণভাম্ তে বিম্ভ তেজমে ৷ জ্ঞ
মেবিত্তে কুতয়ে মবিত্তে কুম্ভদাযিনে ৪ ॥ স্বনেনা ক্কে নিন্দহাত ॥ জাতিত প্পনহিষ্টি ॥
স্বথযজ্ঞো পরীতম্মনু ॥ ঙ্গযজ্ঞো পরীতম্মমিযক্ মদ্বাপরীতে নোপনহামি ॥